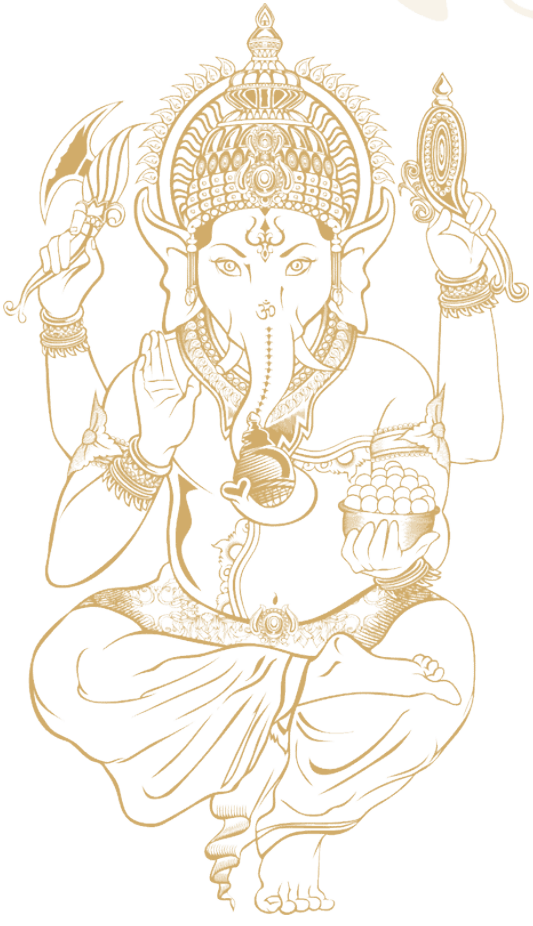

Anshul sharma

03 Oct 1993

07:51 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121739602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/10/1993**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:51:00 घंटे**
इष्ट	04:01:51 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:31:12 घंटे
वेलान्तर	00:10:54 घंटे
साम्पातिक काल	08:18:25 घंटे
सूर्योदय	06:14:15 घंटे
सूर्यास्त	18:03:04 घंटे
दिनमान	11:48:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:07:13 कन्या
लग्न के अंश	06:12:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:12:21	309:05:25	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	16:07:13	00:59:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	11:14:17	11:52:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	10:17:28	00:40:48	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			तुला	08:54:49	01:19:05	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	27:57:40	00:12:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	20:17:28	01:13:43	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	00:22:56	00:02:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	10:27:03	00:05:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	10:27:03	00:05:14	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:28:02	00:00:17	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:36:16	00:00:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:57:41	00:01:52	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	08:33:46	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:26

लग्न-चलित

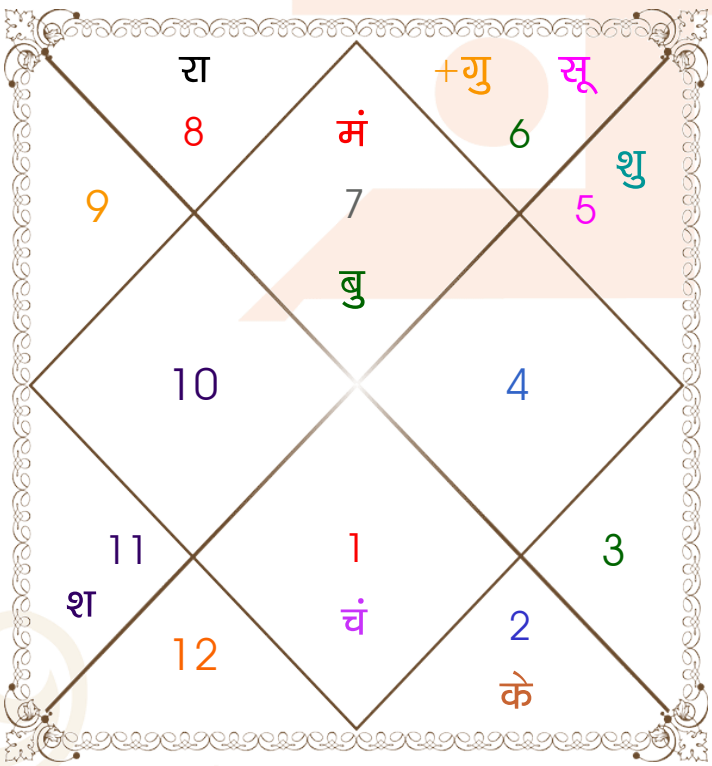

चन्द्र कुंडली

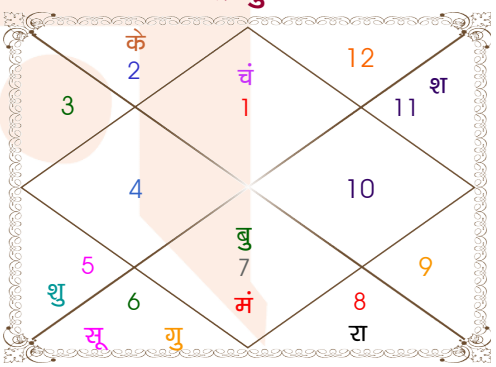

नवमांश कुंडली

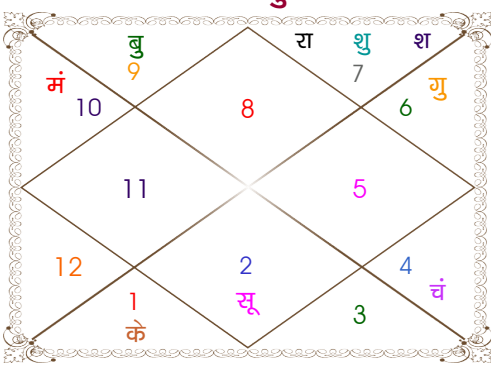

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/10/1993		09/11/1994		09/11/2014		08/11/2020		09/11/2030	
09/11/1994		09/11/2014		08/11/2020		09/11/2030		08/11/2037	
	00/00/0000	शुक्र	10/03/1998	सूर्य	26/02/2015	चंद्र	09/09/2021	मंगल	07/04/2031
	00/00/0000	सूर्य	10/03/1999	चंद्र	28/08/2015	मंगल	10/04/2022	राहु	24/04/2032
	00/00/0000	चंद्र	08/11/2000	मंगल	03/01/2016	राहु	09/10/2023	गुरु	31/03/2033
	00/00/0000	मंगल	08/01/2002	राहु	26/11/2016	गुरु	07/02/2025	शनि	10/05/2034
	00/00/0000	राहु	08/01/2005	गुरु	15/09/2017	शनि	09/09/2026	बुध	07/05/2035
	00/00/0000	गुरु	09/09/2007	शनि	28/08/2018	बुध	08/02/2028	केतु	03/10/2035
	03/10/1993	शनि	09/11/2010	बुध	04/07/2019	केतु	08/09/2028	शुक्र	02/12/2036
शनि	11/11/1993	बुध	09/09/2013	केतु	09/11/2019	शुक्र	10/05/2030	सूर्य	09/04/2037
बुध	09/11/1994	केतु	09/11/2014	शुक्र	08/11/2020	सूर्य	09/11/2030	चंद्र	08/11/2037

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/11/2037		09/11/2055		09/11/2071		09/11/2090		10/11/2107	
09/11/2055		09/11/2071		09/11/2090		10/11/2107		00/00/0000	
राहु	22/07/2040	गुरु	27/12/2057	शनि	12/11/2074	बुध	06/04/2093	केतु	07/04/2108
गुरु	15/12/2042	शनि	09/07/2060	बुध	22/07/2077	केतु	03/04/2094	शुक्र	07/06/2109
शनि	21/10/2045	बुध	15/10/2062	केतु	31/08/2078	शुक्र	01/02/2097	सूर्य	13/10/2109
बुध	10/05/2048	केतु	21/09/2063	शुक्र	30/10/2081	सूर्य	09/12/2097	चंद्र	14/05/2110
केतु	28/05/2049	शुक्र	22/05/2066	सूर्य	12/10/2082	चंद्र	10/05/2099	मंगल	10/10/2110
शुक्र	28/05/2052	सूर्य	10/03/2067	चंद्र	13/05/2084	मंगल	07/05/2100	राहु	29/10/2111
सूर्य	21/04/2053	चंद्र	09/07/2068	मंगल	21/06/2085	राहु	25/11/2102	गुरु	04/10/2112
चंद्र	21/10/2054	मंगल	15/06/2069	राहु	27/04/2088	गुरु	02/03/2105	शनि	04/10/2113
मंगल	09/11/2055	राहु	09/11/2071	गुरु	09/11/2090	शनि	10/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

SANJAY JAGATNARAYANA JI
(SHIVOHAM ASHRAM)
SHREEM JAANKI DHAAM COLONY, JANTA ROAD, SAHARANPUR -247001 (U.P.)
9536669555
ssyp369@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।